



न्यायालय

सहायक कलक्टर/उपखण्ड अधिकारी

धोरीमन्ना-बाड़मेर

(पीठासीन अधिकारी -भागीरथराम आर.ए.एस.)

आवेदन संख्या:-148/2024

दर्ज तिथि:-31.12.2024

1. केसा पुत्र रामु
2. मूली पत्नी केसा

जाति विश्नोई निवासी विश्नोईयों का वास,बूल तहसील धोरीमन्ना जिला बाड़मेर

.....प्रार्थीगण

बनाम

1. मंगला पुत्र लाखा
2. रणधीर पुत्र रिड़मल
3. सदराम पुत्र रिड़मल
4. समदादेवी पत्नी चुतराराम

जाति विश्नोई निवासी विश्नोईयों का वास,बूल,तहसील धोरीमन्ना जिला बाड़मेर

.....असल विप्रार्थीगण

5. शाखा प्रबन्धक,बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा धोरीमन्ना
6. शाखा प्रबन्धक,द सैन्ट्रल कॉ- ऑपरेटिव शाखा धोरीमन्ना
7. राज्य सरकार जरिये तहसीलदार धोरीमन्ना

.....तकमीली विप्रार्थी

उपस्थित अधिवक्ता

प्रार्थी:- श्री रामनिवास विश्नोई

प्रतिवादीगण:-एकतरफा

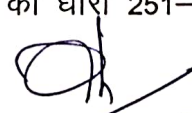
प्रार्थना-पत्र अन्तर्गत धारा-251ए

राजस्थान काश्तकारी अधि.-1955

:-निर्णय:-

निर्णय तिथि:-10.06.2025

1. आज यह पत्रावली प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 251-कराजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 वास्ते निर्णय पेश हुई। प्रकरण का सुक्ष्म वृत्तान्त इस प्रकार से है कि प्रार्थी द्वारा राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 251-'क' के अन्तर्गत एक


सहायक कलक्टर
SDO धोरीमन्ना

प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि प्रार्थी की खातेदारी आराजी खसरा संख्या 329/4/3.1080 है0 वाके ग्राम विश्नोईयों का वास, बूल ,तहसील धोरीमन्ना में अवस्थित है। उक्त खसरा संख्या में रिकॉर्डेड रास्ते का अभाव है। अतः खसरा संख्या 329/4/3.1080 में जाने हेतु विप्रार्थी के खेत खसरा संख्या 326/6.9444 है0 वाके ग्राम विश्नोईयों का वास,बूल,पटवार हल्का कोजा, तहसील धोरीमन्ना से रास्ता प्रस्तावित कर चाहा गया है। प्रार्थी का कथन है कि प्रार्थी की आराजीयात तक कोई रिकॉर्डेड रास्ता दर्ज रिकॉर्ड नहीं है तथा उक्त आवेदित रास्ते के अतिरिक्त अन्य कोई लघुत्तम मार्ग का विकल्प नहीं होने के कारण उक्त आवेदित रास्ते को करीब 30 फिट चौड़ाई में रिकॉर्ड में दर्ज कर प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र स्वीकार किये जाने का निवेदन किया।

2. प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर किया जाकर अप्रार्थीगण को जरिये नोटिस तलब किया गया। अप्रार्थीगण संख्या 1 से 2 व 3 से 6 के नोटिस बावजूद विधिवत तामील हाजिर न्यायालय नहीं होने के कारण उनके विरुद्ध एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई गई। प्रकरण में तहसीलदार धोरीमन्ना से राजस्थान काश्तकारी (सरकार) नियम 1955 के नियम 68 लगायत 70 के अनुसार मौका जॉच रिपोर्ट तलब की गई। प्रकरण में तहसीलदार धोरीमन्ना द्वारा दिनांक 21.04.2025 को मौका रिपोर्ट तैयार कर प्रेषित की। जो कि शामिल मिसल की गई।
3. प्रकरण में विद्वान अभिभाषक प्रार्थी की जिरह सुनी गई। अभिभाषक प्रार्थी ने दौराने-ए-जिरह प्रार्थना-पत्र में अंकित तथ्यों को दौहराते हुए मुताबिक प्रार्थना-पत्र अनुतोष स्वीकार करते हुए प्रार्थना-पत्र स्वीकार करने का निवेदन किया।
4. प्रकरण में प्रार्थना पत्र के साथ तहसीलदार की मौका-रिपोर्ट का अवलोकन किया गया। बहस पर मनन किया गया। प्रकरण में तथ्यों का गहन विश्लेषण से पूर्व राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-'क' का उद्धरण यहाँ प्रतीत होता है-

251A. Laying of underground pipeline or opening a new way through another khatedar's holding or enlarging the existing way. - (1) Where -

(a) a tenant intends to lay an underground pipeline through the holding of another khatedar for the purpose of irrigation of his holding; or

(b) a tenant or a group of tenants intend to have a new way, or enlargement or widening of an existing way, through the holding of another khatedar to have access to his holding or, as the case may be, their holdings of and the matter is not settled by mutual agreement, the tenant or the tenants, as the case may be, may apply for such facility to the Sub-Divisional Officer concerned, and the Sub-Divisional Officer, if he is satisfied after a summary inquiry, that

(i) the necessity is absolute necessity and it is not for mere convenient enjoyment of holding; and

(ii) particularly in case of a new way through another khatedar's holding, that absence of alternative means of access proved may, be order, allow the applicant, to lay pipeline, at least three feet beneath the surface of the land, along 'the line demarcated or pointed out by the tenant who holds that land, or to have a new way. not wider than thirty feet, through the land on such track as pointed out by the tenant who

Ph

सहायक कमिश्नर
SDO धोरीमन्ना

holds that land, and if no such track is pointed out, through the shortest or nearest route, or to enlarge or widen the existing way, not exceeding up to thirty feet, on payment of such compensation as may be determined by the Sub-Divisional Officer, in the prescribed manner, to the tenant who holds the land through which the right to lay pipeline or have a new way or enlarge or widen an existing way is granted in lieu of payment of compensation, on transfer of land in exchange of equal area in the name of such tenant preferably having the same price and adjoining to his land.

(2) Where a right to have a new way or enlarge or widen an existing way is granted under sub-section (1), the tenancy in respect of the land comprising such way shall be deemed to have been extinguished and the land shall be recorded as rasta in the revenue records.

(3) The persons permitted to avail any of the facilities referred to in sub-section (1) shall not, by virtue of the said facility, acquire any other right in the holding through which such facility is granted.

5. इसी प्रकार राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-'क' के प्रावधानों की क्रियान्विति हेतु बनाये गये राजस्थान काश्तकारी (सरकार) नियम 1955 के नियम 68 लगायत 70 का उद्धरण करना यहां प्रासंगिक प्रतीत होता है जो इस प्रकार है-

68. Application under Sec. 251-A. - An application for grant of permission under sub-sec. (1) of 251-A of the Act shall be in Form 1.

69. Enquiry and disposal of application. - On receipt of an application in Form I, the Sub-Divisional Officer shall either inspect the site himself or get it inspected by an officer not below the rank of the Inspector Land Records and invite objections from the affected persons. The Sub-Divisional Officer after affording an opportunity of being heard to the parties and making such further enquiry, as he thinks necessary, if satisfied that-

(i) the necessity is absolute necessity and it is not for mere convenient enjoyment of holding; and

(ii) particularly in case of a new way through another khatedar's holding, that absence of alternative means of access is proved, may allow the application. The application shall be decided by the Sub-Divisional Officer within 90 days from the date of application.

70. Determination of compensation. - (1) The amount of compensation payable under sub-sec. (1) of Sec. 251-A of the Act, shall be determined in the following manner:-

(i) if the parties mutually agree on the amount of compensation, the Sub-Divisional Officer, shall determine the amount of compensation as per the mutual agreement.

(ii) if the parties do not agree mutually on the amount of compensation, the Sub-Divisional Officer shall determine the amount of compensation for the land equivalent to-

सहायक कलक्टर
SDO धोरीमना

(a) two times of the rates recommended by the District Level Committee constituted under clause (b) of sub-rule (D) of Rule 2 of the Rajasthan Stamps Rules, 2004 or the rates determined by the State Government under sub-rule (2) of Rule 58 of the Rajasthan Stamps Rules, 2004, in the matter of a new way or enlargement or widening of an existing way; and


(b) 10% of the rates recommended by the District Level Committee; constituted under clause (b) of sub-rule (1) of Rule 2 of the Rajasthan Stamps Rules, 2004 or the rates determined by the State Government under sub-rule (2) of Rule 58 of the Rajasthan Stamps Rules, 2004, in the matter of laying underground pipeline.

(2) In addition to the value of land determined under clause (a) or (b) of sub-rule j (1), if any loss or damages caused due to removal of standing trees, crops or structure, the amount of actual loss or damages shall also be determined.

6. उक्त राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 251-क एवं राजस्थान काश्तकारी (सरकार) नियम 1955, के नियम 68 लगायत 70 के उद्धरण से स्पष्ट है कि धारा 251-क के अन्तर्गत कोई खातेदार अपनी आराजी तक कृषि कार्य बाबत आमद-रफ्त हेतु अन्य खातेदारों की आराजी में से होकर रास्ता रिकॉर्डेड अंकित करवा सकता है। इस हेतु उक्त राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 251-क निम्न पूर्वशर्तों को आरोपित करती है जो इस प्रकार हैं-

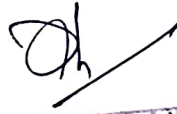
1. प्रार्थी की रास्ते बाबत अन्य रिकॉर्डेड रास्ते के विकल्प की अनुपस्थिति।
2. खातेदार की रास्ते बाबत आत्यान्तिक आवश्यकता।
3. लघुत्तम दूरी का नवीन मार्ग के विकल्प का प्रस्ताव।

7. राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा-251-क एवं राजस्थान काश्तकारी (सरकार) नियम-1955, के नियम 68 लगायत 70 द्वारा अध्यारोपित उक्त पूर्वशर्तों के तहत प्रकरण का विश्लेषण किया जाना अपेक्षित है। सर्वप्रथम उक्त प्रकरण में प्रार्थी ने अपने प्रार्थना पत्र के पैरा संख्या-2 में रास्ते की आत्यान्तिक आवश्यकता का जिक्र किया है तथा अन्य वैकल्पिक रास्ते की अनुपलब्धता का जिक्र किया गया है। साथ ही तहसीलदार धोरीमन्ना की शामिल मिसल रिपोर्ट दिनांक 21.04.2025 के बिन्दु संख्या 1 एवं 2 से इस तथ्य की पूर्णरूप से पुष्टि होती है। इस प्रकार प्रार्थी के प्रार्थना पत्र एवं तहसीलदार धोरीमन्ना की शामिल मिसल रिपोर्ट दिनांक 21.04.2025 के अवलोकन से प्रथमदृष्टया प्रतीत होता है कि प्रार्थी की खातेदारी आराजी खसरा संख्या 329/4/3. 1080 है0 वाके ग्राम विश्‍नोईयों का वास, बूल तहसील धोरीमन्ना तक पहुंचने हेतु कोई रिकॉर्डेड रास्ता दर्ज नहीं है। तहसीलदार धोरीमन्ना की शामिल मिसल रिपोर्ट दिनांक 21.04.2025 के अवलोकन से स्पष्ट है। साथ ही प्रार्थी को प्रार्थना पत्र एवं तहसीलदार धोरीमन्ना की शामिल मिसल रिपोर्ट दिनांक 21.04.2025 अनुसार रास्ते की अत्यान्तिक आवश्यकता प्रतीत होती है। अतः उक्त विश्लेषण के अनुसार शर्त संख्या 1 व 2 की पूर्णरूप से पुष्टि होती है। इस प्रकार अतः प्रार्थी का नवीन रास्ते बाबत अनुतोष स्वीकार किया जाना उचित प्रतीत होता है। राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-क के तहत आरोपित शर्त संख्या 1 व 2 की पूर्णरूप से पुष्टि होने से प्रार्थी की आराजी तक नवीन रास्ता रिकॉर्ड में दर्ज करने का अनुतोष स्वीकार किया जाता है। अब इसके पश्चात तृतीय शर्त बिन्दु पर विश्लेषण किया जाना है कि उक्त नवीन रास्ता


सहायक कलक्टर
SDO धोरीमन्ना

किस आराजी में से होकर किस रूट से होकर कितनी चौड़ाई का लघुत्तम मार्गरास्ता का अनुतोष स्वीकार किया जाना है।

8. इस प्रकार राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-क के तहत आरोपित तीसरी शर्त के अनुसार नवीन रास्ते हेतु लघुत्तम मार्ग का विकल्प पर विचार किया जाना आवश्यक है। प्रकरण में प्रार्थी द्वारा प्रार्थी की खातेदारी आराजी खातेदारी आराजी 329/4/3.1080 है0 वाके ग्राम विश्नोईयों का वास,बूल, पटवार हल्का कोजा, तहसील धोरीमन्ना में पहुँच के प्रयोजन के लिए रिकॉर्डेड रास्ते का अभाव है। अतः प्रार्थी द्वारा अप्रार्थीगण की खातेदारी आराजी खसरा संख्या 326/6.9444 है0 वाके ग्राम विश्नोईयों का वास,बूल,पटवार हल्का कोजा, तहसील धोरीमना तहसील धोरीमना में से होकर करीब 88 मीटर लंबाई तथा 8 मीटर चौड़ाई कुल रकबा 0.0764 है0 का नवीन रिकॉर्डेड रास्ता हेतु निवेदन किया है। साथ ही प्रकरण में तहसीलदार धोरीमन्ना की शामिल मिसल रिपोर्ट दिनांक 21.04.2025 द्वारा अप्रार्थीगण की खातेदारी आराजी खसरा संख्या 326/6.9444 है0 वाके ग्राम विश्नोईयों का वास,बूल,पटवार हल्का कोजा,तहसील धोरीमना से होकर विकल्प प्रथम को लघुत्तम मार्ग को प्रस्तावित किया गया है। तहसीलदार धोरीमन्ना की शामिल मिसल रिपोर्ट दिनांक 21.04.2025 के अवलोकन अनुसार प्रार्थी द्वारा आवेदित तथा तहसीलदार धोरीमन्ना की शामिल मिसल रिपोर्ट दिनांक 21.04.2025 में अंकित रास्ता का मार्ग ही लघुत्तम मार्ग प्रतीत होता है। अतः राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-क के तहत आरोपित तीसरी शर्त के अनुसार नवीन रास्ते हेतु लघुत्तम मार्ग का विकल्प मुताबिक तहसीलदार धोरीमन्ना की शामिल मिसल रिपोर्ट दिनांक 21.04.2025 द्वारा प्रस्तावित मार्ग का विकल्प को स्वीकार किया जाना उचित प्रतीत होता है। तहसीलदार धोरीमन्ना द्वारा मौका रिपोर्ट में


सहायक कलक्टर
SDO धोरीमना

नियमानुसार भूमि एवं निर्माण, तमर कोढ़ हो तो, की क्षतिपूर्ति राशि भूमिगत पर्यवेक्षण राजस्व रिकार्ड में दर्ज किया जाना आग्रहपूर्वक प्रतीत होता है। अतः

आदेश है कि

प्रार्थना पत्र राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 251-क के अन्तर्गत प्रार्थीगण का प्रार्थना पत्र तहसीलदार धोरीमन्ना की दिनांक 21.04.2025 प्रेषित की गई मौका जाँच रिपोर्ट गय नजरी नक्शा के अवलोकन पश्चात विश्लेषित निष्कर्ष प्रार्थीगण हेतु रास्ते की अत्यान्तिक आवश्यकता एवं वैकल्पिक रिकार्डेड रास्ते हेतु अनुपलब्धता के आधार पर स्वीकार किया जाता है एवं तहसीलदार धोरीमन्ना को आदेश दिये जाते हैं कि दिनांक 21.04.2025 की मौका जाँच रिपोर्ट में प्रार्थी हाल खसरा संख्या 329/4/3.1080 है 0 वाके ग्राम विशनोइयों का वास, वूल, पटवार हल्का कोजा तहसील धोरीमन्ना तक अप्रार्थीगण की खातेदारी आराजी खसरा संख्या 326/6.9444 है 0 वाके ग्राम विशनोइयों का वास, वूल, पटवार हल्का कोजा तहसील धोरीमन्ना में अंकित प्रस्ताव में इंगित प्रथम विकल्प बरंग लाल रंग से प्रदर्शित 88 मीटर लंबाई तथा 8 मीटर चौड़ाई कुल एकबा 0.0704 है 0 के रास्ते में आयी भूमि एवं निर्माण के एवज में राजस्थान काश्तकारी (सरकार) नियम 1955 के नियम-70 के अनुसार क्षतिपूर्ति राशि आंकलित कर नियमानुसार क्षतिपूर्ति राशि के विकल्प के आधार पर नियमानुसार उक्त नवीन रास्ते को खाता संख्या-1 सिवायचक में सार्वजनिक उपयोग हेतु किस्म गैर मुमकिन रास्ता दर्ज कर अंकन किया जावे। दिनांक 21.04.2025 की मौका जाँच रिपोर्ट व नजरी नक्शा निर्णय का अनन्य भाग रहेगा।



निर्णय की पालना हेतु एक प्रति तहसीलदार धोरीमन्ना को भिजवायी जावे।

यह आदेश आज दिनांक 10.06.2025 को लिखवाया जाकर सरे-इजलास सुनाया गया एवं अधोहस्ताक्षकर्ता की मुहर व हस्ताक्षर से जारी किया गया।

Oh
10/6/25

(भागीरथराम ओर.ए.एस)

सहायक कलेक्टर
धोरीमन्ना बाइगेर
SDO धारमिया